नीमराणा क्षेत्र में विकसित आधारभूत संरचनाओं का सामाजिक आर्थिक विकास पर प्रभाव

*डॉ. विजय कुमार वर्मा
**सत्यवती

सरांश

आधुनिक युग में उद्योग व्यावसायिक क्रिया का एक आवश्यक भाग है। उद्योगों का शनैः–शनैः विभिन्न रूपों में या समान प्रकृति के रूप में विस्तृत क्षेत्र में स्थापित होना औद्योगिकरण कहलाता हैं। औद्योगिकरण स्थापना के दौरान साधनों की उपयोगिता में वृद्धि कर आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। औद्योगिकरण के द्वारा न केवल भवनों का निर्माण किया जाता हैं बल्कि साथ–साथ अर्थव्यवस्था के विभिन्न आधारभूत संरचना के कारकों जैसे परिवहन, बैंकिंग, वित्त, विद्युत, कृषि तथा प्रशासन के विभिन्न सत्रों का भी विकास होता है।

औद्योगिक विकास अर्थव्यवस्था के विकास का अभिन्न अंग हैं। जिसके माध्यम से साधनों की कुशलता में वृद्धि कर जीवन स्तर को ऊँचा उठाया जा सकता है। औद्योगिक विकास आर्थिक विकास के संतुलन का भी कार्य करता है। संतुलन के उद्देश्य को ही ध्यानान्तर्गत रखते हुए नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया गया है। राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय जोन, फूड पार्क तथा सिरेमिक जैसे विशेष उद्योगों की यहाँ स्थापना की गई हैं।

यह अर्द्धशुष्कीय जलवायविक विशेषताओं का क्षेत्र हैं। जिसका भूमिगत जल स्तर भी अत्यधिक गहराई पर हैं, यह क्षेत्र मौसमी नदी नालों से युक्त हैं। अतः कृषि भी यहाँ पर निर्वहन प्रकार की जाती थी। ऐसे में इस क्षेत्र का विकास औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के माध्यम से ही संभव हो सका। वर्तमान में यहाँ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उद्योगों को स्थापित किया गया हैं। यहाँ औद्योगिक विकास का मुख्य कारण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–8 तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा होना हैं।

कुंजी शब्दः आधारभूत संरचना, अन्तर्राष्ट्रीय जोन, विशेष उद्योगों, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–8.

अध्ययन के उद्देश्य

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ क्षेत्र में औद्योगिक विकास हेतु आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन कर उनका सामाजिक आर्थिक उत्थान पर प्रभाव ज्ञात करके सुझाव प्रस्तुत करना हैं।

परिकल्पना

1. औद्योगिक क्षेत्रों के विकास हेतु निर्मित आधारभूत संरचनाएँ समाज के आर्थिक उत्थान की चालक होती हैं। जिससे पिछड़े हुए क्षेत्रों का विकास संभव हो पाता है।
2. औद्योगिक विकास से मानव विकास संकेतांक में वृद्धि होती हैं। जिससे क्षेत्र की सामाजिक आर्थिक स्थिति सापेक्षता से सुदृढ़ बनती है।

आंकड़ा संग्रहण

अध्ययन हेतु चुने गए गांवों का चयन उद्देश्य परक तथा सुविधाजनक तरीके से किया गया है। द्वितीय आंकड़े (गैर–सरकारी तथा सरकारी संगठनों) के प्रयोग द्वारा शोध को विश्वसनीय तथा गतिशील बनाया गया हैं। सरकारी संगठन में जिला उद्योग केन्द्र, उप जिला उद्योग केन्द्र, मास्टर प्लान रीको एमएसएमई, मन्त्रालय एनवायरमेन्टल प्लॉन एवं गैरसरकारी संगठनों में बीएमए, एनएमए के आंकड़ों का प्रयोग किया गया हैं। यातायात व्यवस्था, श्रमिकों की स्थिति आदि का आंकलन आनुभविक रूप से किया गया हैं। इन लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आगमनात्मक तथा निगमनात्मक विधियों का प्रयोग किया गया है।

जलवायु

अध्ययन क्षेत्र की जलवायु अर्द्धशुष्क प्रकार की है। प्रकार की जलवायुविक विशेषताएँ उच्च तापमान, अनिश्चित वर्षा, अल्प वर्षा, गर्म हवाएँ (ग्रीष्म ऋतु) तथा शीत लहर (शीत ऋतु) यहाँ पर मुख्य है।

आधारभूत संरचनाएँ

आधारभूत संरचनाओं को दो भागों में विभक्त किया गया है–

अ. आर्थिक संरचना

ब. सामाजिक संरचना

(अ) आर्थिक संरचना–

आर्थिक संरचना के अन्तर्गत यातायात मार्ग एवं साधन, संचार, ऊर्जा, बैंक, सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठन हैं। अध्ययन क्षेत्र की आर्थिक आधारभूत संरचनाओं का वर्णन निम्नलिखित हैं–

(क) हवाई यातायात

नीमराणा क्षेत्र इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, दिल्ली, सांगानेर हवाई अड्डा जयपुर के लगभग मध्य में स्थित हैं। यह क्षेत्र दिल्ली तथा जयपुर स्थित अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से विश्वस्तरीय तथा अर्न्तदेशीय उड़ानों का उचित समय पर लाभ प्राप्त करते हैं। दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी हवाई अड्डे से विश्व के प्रमुख शहरों हेतु सेवाएँ प्रदान करता हैं जबकि सांगानेर हवाई अड्डा दुबई, शारजहाँ, बैंकॉक तथा सिंगापुर कुछ सीमित शहरों तक ही सुविधाएँ प्रदान कर रहा हैं। औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि तथा निर्यातोमुखी अर्थव्यवस्था बनाने की दृष्टि से कोटकासिम क्षेत्र में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा निर्माण करने हेतु प्रस्तावित पारित किया गया हैं। जयपुर में एयर कार्गो कॉम्पलेक्स स्थापित किया गया हैं जो कि भिवाड़ी इन्लैण्ड कन्टेनर से जुड़ा हुआ हैं।

(ख) रेलवे

नीमराणा क्षेत्र के वर्तमान में निकटतम स्टेशन बावल (हरियाणा) तथा अजरका स्टेशन हैं। निकट भविष्य में ही यह क्षेत्र रेल ट्रान्समिट सिस्टम की हाईस्पीड ट्रेन सुविधा से दिल्ली तथा अलवर से जुड़ जाएगा। रेल ट्रान्समिट सिस्टम के योजनान्तर्गत 60 किलोमीटर भाग ऐलिवेटेड तथा 35 किलोमीटर मार्ग अन्डरग्राउन्ड तथा 8 स्टेशनों पर इन्टरचेंज की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बहरोड़ तक रेल संचालन का कार्य 2025 तक पूरा होने की संभावना हैं।

(ग) सड़क

औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना से पूर्व ही यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–8 के माध्यम से देश के प्रमुख नगरों दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई तथा कोलकाता से जुड़ा हुआ था। वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 स्वर्णिम चतुर्भुज योजना का

भाग होने के साथ–साथ औद्योगिक कॉरिडोर का भी भाग है। दिल्ली से मुम्बई तक औद्योगिक कोरिडोर का विकास किया गया है। जिसके अन्तर्गत 150–200 किलोमीटर के क्षेत्र में औद्योगिक क्रियाएँ संचालित की जानी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–8 पर 6 लेनों में वाहन गमन करते हैं।

(घ) ऊर्जा–

जापानी कम्पनी हिताची के सहयोग से केन्द्र सरकार ने गेल कम्पनी की भागीदारी से गैस टर्बाइन स्थापित करने का कार्य शुरू किया गया है। जिससे यहाँ स्थित उद्योगों को सस्तीदर पर बिना पावर कट के बिजली उपलब्ध रहेगी। टरबाईन स्थापित करने का कार्य न्यू एनर्जी एण्ड इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी कम्पनी करेगी। यह पावर प्लान्ट 6 मेगावॉट का होना। इस तकनीक के उपयोग से क्षेत्र में कार्बन फुट पिंटस भी कम होगा। इस औद्योगिक नीमराणा क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन 220 के.वी. नीमराणा, 132 के.वी. शाहजहाँपुर तथा 132 के.वी. बहरोड़ मुख्यालयों पर राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित किए गए हैं। विद्युत वितरण का कार्य जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के अतिरिक्त यह क्षेत्र गैरपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों के लिए भी पनपने की संभावना रखता हैं।

(ङ) संचार

अध्ययन क्षेत्र गुणवत्ता पूर्ण संचार सुविधाओं से युक्त हैं। इन सुविधाओं के द्वारा औद्योगिक उत्पादन तथा प्रतियोगिता में वृद्धि हुई हैं। शाहजहाँपुर, नीमराणा तथा बहरोड़ में डाकघरों की सुविधा के साथ–साथ विभिन्न कम्पनियों की मोबाईल सुविधाएँ (3जी, 4जी, जी.एस.एम., सीडीएमए, आदि) उपलब्ध हैं। इंटरनेट के तौर पर सभी कम्पनियों में ब्रॉडबैंड, वाईफाई लेन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध है।

अलवर जिले में रिको द्वारा मुख्यतः तीन औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की गई हैं। नीमराणा भी उन मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों में से एक हैं। इन सभी स्थापित उद्योगों का लक्ष्य स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग कर निर्यात वृद्धि प्राप्त करना हैं। जैसे ऐग्रो प्रोसेसिंग, बॉयो टैक्नोलॉजी, ऑटो, सिरेमिक उद्योगों तथा गारमेन्टस उद्योगों आदि। रिको द्वारा उद्योगों के विकास हेतु किए गए विशेष संरचनाओं का वर्णन निम्न प्रकार से हैं–

संरचना	विवरण
EPIP	विशेष निर्यातक उद्योगों के लिए भूमि को दो चरणों में 210 तथा 1300 एकड़ उपलब्ध करवाई गई। 152 उद्योगों जैम्स एण्ड ज्वैलरी तथा ऑटो उद्योगों इससे सम्बन्धित है।
SEZ	ग्लोबल सिटी की स्थापना के कार्य को पूरा करने के लिए रियल स्टेट को प्रमुखता दी गई। इस क्षेत्र में असंल तथा एपीआई कम्पनियों को मुख्य बनाया गया है।
दक्षता केन्द्र	व्यक्तिगत दक्षता में वृद्धि करने के लिए विभिन्न ट्रेनिंग कम्प चलाये जा रहे हैं। जैसे कृषि, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, ब्यूटीपार्लर, साक्षरता आदि का प्रशिक्षण सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा दिया जा रहा है।
वेस्ट रिसाईकल	मित्सुई तथा निसिन ब्रेक इंण्डिया कम्पनी ने प्राइम एडवान्स कम्पोजिट का कार्य प्रारम्भ किया है। जिससे औद्योगिक कचरे का निस्तारण हो सकेगा।

(च) बैंक

बैंकों के माध्यम से अधिशेष धन को जमा, ऋण तथा मुद्रा विनिमय आदि के कार्य सम्पन्न किए जा सकते हैं। बैंक औद्योगिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में मुद्रा सम्बन्धित समस्याओं को दूर करता है। मुद्रा के कुशल प्रवाह के लिए नीमराणा क्षेत्र में व्यवसायिक क्षेत्रीय पीएनडीसी तथा कॉपरेटिव बैंकों की संख्या 56 है।

(ब) सामाजिक आधारभूत संरचना

उद्योगों हेतु सामाजिक आधारभूत संरचना एक व्यापक अवधारणा है औद्योगिक सामाजिक आधारभूत संरचना के अन्तर्गत सामाजिक सेवाओं को सम्पत्ति की भांति शामिल करते हैं। सामाजिक आधारभूत संरचना में शिक्षा, चिकितसा, आवास, रोजगार तथा आय संतुलन के तत्वों को शामिल किया जाता हैं। सामाजिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सरकार बजट का एक बड़ा भाग इस पर खर्च करती हैं। सामाजिक स्तर में वृद्धि कर कार्यशीहल जनसंख्या में वृद्धि करना, जनभागीदारी, सामाजिक न्याय को बढ़ाना हैं एवं आय की असमानता को कम करना हैं। सामाजिक आधारभूत संरचनाएँ प्रशासनिक तथा भौगोलिक क्षेत्रों के मानव सूचकांक की वृद्धि का भी कारक रहा हैं। नीमराणा क्षेत्र के सामाजिक आधारभूत संरचना मध्यम स्तर से उच्च स्तर की ओर अग्रसर हैं। नीमराणा क्षेत्र की प्रमुख आधारभूत संरचना के प्रमुख कारकों का विवरण निम्नलिखित हैं–

(क). शिक्षा–नीमराणा औद्योगिक क्षेत्रों में 100 उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा माध्यमिक स्तर के 108 विद्यालय हैं जो कि कुछ राजकीय तथा निजी क्षेत्र के हैं। यहाँ अध्ययनरत् छात्रों की कुल संख्या 24797 जिसमें छात्र 15187 तथा छात्राएँ 9610 हैं। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए पीपीपी मोड़ पर कार्य कर रहा उच्च सुविधाओं युक्त स्कूल वीआईपी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, राठ इन्टरनेशनल स्कूल, पारले जी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, डीवीएम स्कूल, संस्कार भारती पब्लिक स्कूल प्रमुख हैं।

राजस्थान सरकार ने शिक्षा अधिनियम के तहत् 63 हजार जनसंख्या पर एक कॉलेज के व्यवस्था को हैं जो कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित 77 हजार जनसंख्या से कम है। इस कमी के पीछे कारण क्षेत्र का औद्योगिक विकास तथा राज्य का अधिक क्षेत्रफल होना हैं। निजि क्षेत्र के प्रमुख विश्वविद्यालय एन.आई.आई.टी यूनिवर्सिटी, राफेल यूनिविर्सिटी तथा राय यूनिवर्सिटी प्रमुख हैं। इन्जीनियरिंग कॉलेज में स्कूल ऑफ ऐरोनोटिकल्स, सैन्ट मार्गेट कॉलेज कैम्बे स्कूल ऑफ हॉस्पोटेलिटी मैनेजमेन्ट प्रमुख हैं। आर्टस कॉलेजों में नारायणदास जीपी कॉलेज, नारायणी देवी पीजी कॉलेज तथा गायत्री देवी मुख्य हैं। तकनीकी शिक्षा हेतु पॉलीटेक्किनल कॉलेज नीमराणा में स्थित हैं तथा निजी क्षेत्र में 5 आईटीआई कॉलेज भी इस क्षेत्र में संचालित हैं।

(ख) स्वास्थ्य–स्वास्थ्य के महत्त्व को देखते हुए राज्य सरकार ने 2011–12 के बजट सत्र में महत्त्वपूर्ण तथा अधिकांश रूप से प्रयुक्त होने वाली दवाईयों का सरकारी अस्पतालों में मुफ्त कर दिया। अध्ययन क्षेत्र में सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 6 हैं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 14 एवं सब सेन्टरों की संख्या 93 हैं। उच्च सुविधाओं युक्त निजी क्षेत्र के अस्पतालों में मुख्य रूप से मैक्स फोर्स हॉस्पिटल, कैलाश हॉस्पिटल, सिटी हॉस्पिटल जनता हॉस्पिटल, जेपी हॉस्पिटल सम्मिलित हैं।

कस्बा	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	सब सेन्टर	योग
शाहजहाँपुर व नीमराणा	3	7	45	55
बहरोड़	3	7	48	53

(ग) आवास – (1970 में केन्द्र तथा राज्य सरकार के द्वारा मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवास को प्रमुख दी गई।) औद्योगिक क्षेत्रों में आवास येाजना से सम्बन्धित राज्य में कुछ प्रशासनिक निकायों की स्थापना की गई हैं जैसे यू.आई.टी. राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा कुछ निजी सोसायटियाँ भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। क्षेत्र में औद्योगिक विकास डीएमआईसी के तहत् पूरा करने के लिए एसएनबी नगरीय समूह को विकसित करने के लिए आवास हेतु सेज को स्थापित किया गया है। एसएनबी नगरीय समूह की स्थापना ग्लोबल सिटी के तहत् नियोजित की गई हैं। आवासीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अंशज सेज तथा अन्य स्थानीय डीलर्स कार्य कर रहे हैं।

सामाजिक आर्थिक स्थिति पर औद्योगिक संरचनाओं का प्रभाव

सकारात्मक

1. विश्वस्तरीय आर्थिक संरचनाओं का निर्माण हुआ हैं जैसे डीएमआईसी कोरिडोर का निर्माण जो कि जापान की औद्योगिक बैल्ट पर आधारित हैं। इस कोरिडोर के निर्मित हो जाने से आवागमन में वृद्धि होगी। जो कि भारत की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।
2. बैंकों की स्थापना से स्थानीय लोगों में पूंजी प्रवाह बढ़ेगा तथा वे धन को विभिन्न तरीकों से निवेश करने की सोच पैदा कर सकेंगे।
3. आवास की महत्ता को समझते हुए सरकार द्वारा वर्ष 2010 में किफायती दर पर आवास उपलब्ध करवाने की थीम रखी गई। रियलएस्टेट के क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् कुछ हिस्सा आमजन के लिए किफायती दर पर रिजर्व रखा जाता हैं जिससे सभी का आवास का सपना पूरा हो सके।
4. यातायात के तीव्र पहुँच होने से किसान मांग आधारित फसलों का उत्पादन कर रहे हैं साथ ही विभिन्न फसलों को उपजाने की विभिन्न तकनीकों को जलवायु के अनुसार प्रशिक्षण हासिल कर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। जैसे आंवला, ग्वारपाठा, कपास तथा अन्य फसल एवं सब्जियाँ।
5. औद्योगिक क्षेत्र में वृद्धि तथा उत्पाद की गुणवत्ता एवं मात्रात्मक वृद्धि के लिए अन्तर्राज्जयी श्रमिकों का प्रवास हुआ है। विभिन्न राज्यों के श्रमिकों के प्रवास से स्थानीय लोग भारत के अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू हो रहे हैं जैसे ईद, छठ पूजा आदि।

***निर्देशक**
****शोधार्थी**
भूगोल विभाग
बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय
अलवर (राज.)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Delhi Mumbai Industrial Corridor.com
2. NCRTCC Project NCRTC.in Archived from-3 May, 2018.
3. Business Standard Newspaper 2 August 2013
4. KBNIR Master Plan
5. RIICO Office Neemrana